



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1212]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अगस्त 6, 2009/श्रावण 15, 1931

No. 1212]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 6, 2009/SRAVANA 15, 1931

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2009

का.आ. 2014(अ).—विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार यह निर्धारित करने के लिए कि क्या दीमा हालाम दाओगाह (जोयल) [डी एच डी (जे)] को विधि-विरुद्ध संगम घोषित करने के पर्याप्त कारण हैं अथवा नहीं, एतद्वारा, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री कैलाश गंधीर की अध्यक्षता में एक "विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण" का गठन करती है।

[फा. सं. 11011/41/2008-एन ई. III]

सदा कान्त, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th August, 2009

S.O. 2014(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes "The Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Shri Justice Kailash Gambhir, Judge of Delhi High Court, for the purpose of adjudicating whether or not there is sufficient cause of declaring the Dima Haram Daogah (Joel) [DHD(J)] as unlawful associations.

[F.No.11011/41/2008-NE.III]

SADA KANT, Jt. Secy.